प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 3

कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

हिन्दी–अ (कोड–002)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'क' और 'ख'। खंड–क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड–ख में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं। जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड – क (वस्तुपरक प्रश्न / बहुविकल्पी)

1. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

उन्नीसवीं शताब्दी से पहले, मानव और पशु दोनों की आबादी भोजन की उपलब्धता तथा प्राकृतिक विपदाओं आदि के कारण सीमित रहती थी। कालांतर में जब औद्योगिक क्रांति के कारण मानव सभ्यता की समृद्धि में भारी वृद्धि हुई तब उसके परिणामस्वरूप कई पश्चिमी देश ऐसी बाधाओं से लगभग अनिवार्य रूप से मुक्त हो गए। इससे वैज्ञानिकों ने अंदाज़ा लगाया कि अब मानव जनसंख्या विस्फोटक रूप से बढ़ सकती है। परन्तु इन देशों में परिवारों का औसत आकार घटने लगा था और जल्दी ही समृद्धि और प्रजनन के बीच एक उलटा संबंध प्रकाश में आ गया था।

जीवविज्ञानियों ने मानव समाज की तुलना जानवरों की दुनिया से कर इस संबंध को समझाने की कोशिश की और कहा कि ऐसे जानवर जिनके अधिक बच्चे होते हैं, वे अधिकतर प्रतिकूल वातावरण में रहते हैं और ये वातावरण प्रायः उनके लिये प्राकृतिक खतरों से भरे रहते हैं। चूंकि इनकी संतानों के जीवित रहने की संभावना कम होती है, इसलिए कई संतानें पैदा करने से यह संभावना बढ़ जाती है कि उनमें से कम से कम एक या दो जीवित रहेंगी। इसके विपरीत, जिन जानवरों के बच्चे कम होते हैं, वे स्थिर और अनुकूल वातावरण में रहते हैं। ठीक इसी प्रकार यदि समृद्ध वातावरण में रहने वाले लोग केवल कुछ ही बच्चे पैदा करते हैं, तो उनके ये कम बच्चे उन बच्चों को पछाड़ देंगे जिनके परिवार इतने समृद्ध नहीं थे तथा इनकी आपस की प्रतिस्पर्धा भी कम होगी।

इस सिद्धांत के आलोचकों का तर्क है कि पशु और मानव व्यवहार की तुलना नहीं की जा सकती है। वे इसके बजाए यह तर्क देते हैं कि सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन इस घटना को समझाने के लिए पर्याप्त हैं। श्रम–आश्रित परिवारों में बच्चों की बड़ी संख्या एक वरदान के समान होती है। वे जल्दी काम कर परिवार की आय बढ़ाते हैं। जैसे–जैसे समाज समृद्ध होता जाता है, वैसे–वैसे बच्चे जीवन के लगभग पहले 25.–30 सालों तक शिक्षा ग्रहण करते हैं। जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उर्वरता अधिक होती है तथा देर से विवाह के कारण संतानों की संख्या कम हो जाने की संभावना बनी रहती है।

(1) निम्नलिखित में से कौन–सा गद्यांश का प्राथमिक उद्देश्य है?
   - (क) मानव परिवारों के आकार के संबंध में दिए उस स्पष्टीकरण की आलोचना जो पूरी तरह से जानवरों की दुनिया से ली गई टिप्पणियों पर आधारित है।
   - (ख) औद्योगिक क्रांति के बाद अपेक्षित जनसंख्या विस्फोट न होने के कारणों की विवेचना।
   - (ग) औद्योगिक क्रांति से पहले और बाद में पर्यावरणीय प्रतिबंधो और सामाजिक दृष्टिकोणों से परिवार का आकार कैसे प्रभावित हुआ, का अन्तर्सम्बन्ध दर्शाना।
   - (घ) परिवार का आकार बढ़ी हुई समृद्धि के साथ घटता है इस तथ्य को समझने के लिये दो वैकल्पिक सिद्धांत प्रस्तुत करना।

(2) गद्यांश के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन–सा जनसंख्या विस्फोट के विषय में सत्य है?

(क) पश्चिमी देशों में यह इसलिये नहीं हुआ क्योंकि औद्योगिकरण से प्राप्त समृद्धि ने परिवारों को बच्चों की शिक्षा की विस्तारित अवधि को वहन करने का सामर्थ्य प्रदान किया था।

(ख) यह घटना विश्व के उन क्षेत्रों तक सीमित है, जहाँ औद्योगिक क्रांति नहीं हुई है।

(ग) श्रम आधारित अर्थव्यवस्था में केवल उद्योग के आधार पर ही परिवार का आकार निर्भर रहता है।

(घ) इसकी भविष्यवाणी पश्चिमी देशों में औद्योगिक क्रांति के समय जीवित कुछ लोगों द्वारा की गई थी।

(3) अंतिम अनुच्छेद निम्नलिखित में से कौन–सा कार्य करता है?

(क) यह पहले अनुच्छेद में वर्णित घटना के लिए एक वैकल्पिक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है।

(ख) यह दूसरे अनुच्छेद में प्रस्तुत स्पष्टीकरण की आलोचना करता है।

(ग) यह वर्णन करता है कि समाज के समृद्ध होने के साथ सामाजिक दृष्टिकोण कैसे बदलते हैं।

(घ) यह दूसरे अनुच्छेद में प्रस्तुत घटना की व्याख्या करता है।

(4) गद्यांश में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख औद्योगिक देशों में औसत परिवार का आकार हाल ही में गिरने के एक संभावित कारण के रूप में नहीं किया गया है?

(क) शिक्षा की विस्तारित अवधि।

(ख) पहले की अपेक्षा देरी से विवाह करना।

(ग) बदला हुआ सामाजिक दृष्टिकोण।

(घ) औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में मजदूरों की बढ़ती मांग।

(5) गद्यांश में दी गई कौन–सी जानकारी बताती है कि निम्नलिखित में से किस जानवर के कई बच्चे होने की संभावना है?

(क) एक विशाल शाकाहारी जो घास के मैदानों में रहता है और अपनी संतानों की भरसक सुरक्षा करता है।

(ख) एक सर्वभक्षी जिसकी आबादी कई छोटे द्वीपों तक सीमित है और जिसे मानव अतिक्रमण से खतरा है।

(ग) एक मांसाहारी जिसका कोई प्राकृतिक शिकारी नहीं है, लेकिन उसे भोजन की आपुर्ति बनाए रखने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

(घ) एक ऐसा जीव जो मैदानों और झीलों में कई प्राणियों का शिकार बनता है।

2. **निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी <u>एक</u> पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

हे कृष्ण! जरा यह भी सुनिए,
सच है कि झूठ मन में गुनिए,
धूलों में था मैं पड़ा हुआ,
किसका स्नेह पा बड़ा हुआ,
किसने मुझको सम्मान दिया?
नृपता दे महिमावान किया।
है ऋणी कर्ण का रोम–रोम,
जानते सत्य यह सूर्य–सोम,
तन, मन, धन दुर्योधन का है।
सुरपुर से भी मुख मोड़ूँगा,
केशव! मैं उसे न छोड़ूँगा।
मित्रता बड़ा अनमोल रतन,
कब इसे तौल सकता है धन?
धरती की तो है क्या बिसात?
आ जाए अगर बैकुंठ हाथ,
उसको भी न्यौछावर कर दूँ
कुरूपति के चरणों पर रख दूँ।

(1) कर्ण ने मित्रता की तुलना किससे की है?
   (क) सुरपुर से
   (ख) तरु से
   (ग) सूर्य–सोम से
   (घ) अनमोल रतन से

(2) कर्ण दुर्योधन का साथ क्यों नहीं छोड़ सकता?
   (क) दुर्योधन ने उसे राजा बनाकर सम्मानित किया था
   (ख) दुर्योधन एक बड़ा वीर था
   (ग) दुर्योधन कृष्ण का दुश्मन था
   (घ) कर्ण दुर्योधन का ऋणी था

(3) कविता के आधार पर कर्ण के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ चुनिए–
   (क) सच्चा वीर
   (ख) कृतज्ञ
   (ग) सच्चा मित्र
   (घ) धन का लालची

(4) कर्ण, दुर्योधन का ऋण किस प्रकार चुकाना चाहता है?
   (क) तन, मन, धन न्यौछावर करके
   (ख) जीवन देकर
   (ग) बैकुंठ को भी न्यौछावर करके
   (घ) युद्ध में उसे जिताकर

(5) 'मित्रता बड़ा अनमोल रतन।' इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?
   (क) रूपक
   (ख) उपमा
   (ग) उत्प्रेक्ष
   (घ) इनमें से कोई नहीं

अथवा

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष ही।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झरकर कुसुम।
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने–आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

(1) कवि ने किसको सच माना है?
(क) संघर्ष को
(ख) सब को
(ग) ईश्वर को
(घ) मानव को

(2) कवि के अनुसार जीत किसकी होती है?
(क) शक्तिशाली की
(ख) प्रणय को पाथेय वाले की
(ग) धनी व्यक्ति की
(घ) अभिमानी व्यक्ति की

(3) 'फूलों के साथ' चलने का तात्पर्य है–
(क) खुशबूदार चीजों का साथ
(ख) बगीचे में विचरण करना
(ग) जंगल के रास्ते पर
(घ) सुविधा भोगी जीवन

(4) नत व्यक्ति किस तरह मृत हो जाता है?
(क) जैसे वृक्ष से गिरकर फल
(ख) जैसे वृंत से झरकर कुसुम
(ग) जैसे छत से गिरकर मनुष्य
(घ) जैसे लक्ष्य से भटका मनुष्य

(5) कवि किससे लड़ने की प्रेरणा दे रहे हैं?
(क) चुपचाप अपने आप से लड़ने की
(ख) सच से लड़ने की
(ग) लक्ष्य से लड़ने की
(घ) पराजय से लड़ने की

3. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) "मैं वहाँ पहुँचा और दरवाजा बन्द हो गया।" इसका मिश्र वाक्य होगा–
(क) उसके वहाँ पहुँचने पर दरवाजा बन्द हो गया।
(ख) ज्यों ही मैं वहाँ पहुँचा दरवाजा बन्द हो गया।
(ग) मेरे पहुँचते ही दरवाजा बन्द हो गया।
(घ) मैं पहुँचा कि दरवाजा बन्द हो गया।

(2) "रमेश जाएगा परन्तु नरेश पढ़ेगा।" रचना की दृष्टि से यह वाक्य किस प्रकार का है?
(क) मिश्र वाक्य
(ख) प्रधान उपवाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य
(घ) आश्रित उपवाक्य

(3) निम्नलिखित में से सरल वाक्य चुनकर लिखिए–
(क) माँ अखबार पढ़ चुकी है।
(ख) नीलम खाना खा चुकी है, अब निशा खाएगी।
(ग) जब तक दिनेश घर पहुँचा उसके मामाजी जा चुके थे।
(घ) आगरा में ताजमहल है, जो सफेद रंग का है।

(4) वह कहानी ऐसी–वैसी नहीं, बल्कि बहुत रोचक थी। इस वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए।
(क) वह कहानी ऐसी–वैसी नहीं थी, वह तो बहुत रोचक थी।
(ख) वह कहानी बहुत रोचक थी इसलिए वह ऐसी–वैसी नहीं थी।
(ग) वह कहानी ऐसी–वैसी न होकर बहुत रोचक थी।
(घ) वह कहानी ऐसी–वैसी नहीं है, क्योंकि वह बहुत रोचक थी।

(5) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कॉलम 1		कॉलम 2	
(1)	चुपचाप बैठो या यहाँ से चले जाओ।	(i)	सरल वाक्य
(2)	मुख्य अतिथि के आते ही कार्यक्रम शुरू हो गया।	(ii)	संयुक्त वाक्य
(3)	यदि इस बार वर्षा न हुई तो सारी फसल नष्ट हो जाएगी।	(iii)	मिश्र वाक्य

विकल्प
(क) 1-iii, 2-i, 3-ii
(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i
(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii
(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

4. **निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(1 × 4 = 4)**

(1) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कॉलम 1		कॉलम 2	
(1)	पत्र भेज दिया गया है।	(i)	कर्तृवाच्य
(2)	राधा बाहर कूद रही है।	(ii)	कर्मवाच्य
(3)	भाई से चला नहीं जाता।	(iii)	भाववाच्य

विकल्प
(क) 1-iii, 2-i, 3-ii
(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i
(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii
(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

(2) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला है–
(क) माँ द्वारा बच्चे को सुला दिया गया।
(ख) नौकरानी के द्वारा घर का सारा काम किया गया।
(ग) मैं यह कठिन काम नहीं कर सकूँगा।
(घ) लोगों से इस गरमी में चला नहीं जा सका।

(3) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य है–
(क) श्याम से रोटी को बिल्कुल नहीं खाया जाता।
(ख) रामचन्द्र जी ने सलता को त्याग दिया।
(ग) हिन्दुओं द्वारा रामायण पढ़ी जाती है।
(घ) कुलियों ने यात्रियों का सामान उठाया।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य है–
(क) बच्चों के द्वारा खिलौन पसन्द किये जाते हैं।
(ख) अब और नहीं चला जा सकता।
(ग) श्याम बहुत लड़ता है।
(घ) नेताओं ने अपना चरित्र खो दिया गया है।

(5) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य है–
(क) आयशा से कोई काम नहीं होता।
(ख) मैं थकान के कारण नहीं आ सका।
(ग) मुझसे इतनी गर्मी में दौड़ा नहीं जाता।
(घ) हम सबसे कल रात यही रुका जाएगा।

5. **निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) समाज में **विभीषणों** की संख्या बढ़ती जा रही है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय होगा–
(क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिग, संबंधकारक।
(ख) समूहवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिग, संबंधकारक।
(ग) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिग, संबंधकारक।
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिग, संबंधकारक।

(2) कल रात **देर तक** बारिश होती रही। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय होगा–
(क) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
(ख) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
(घ) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

(3) विमला पत्र **लिख रही है**। इस वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद–परिचय होगा–
(क) प्रेरणार्थक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।
(ख) द्विकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।
(ग) सकर्मक क्रिया स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।
(घ) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।

(4) इस किताब में **अनेक** चित्र हैं। इस वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद–परिचय होगा–
(क) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिग, बहुवचन, 'चित्र'– विशेष्य का विशेषण।
(ख) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिग, बहुवचन, 'चित्र'– विशेष्य का विशेषण
(ग) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिग, बहुवचन, 'चित्र'– विशेष्य का विशेषण।
(घ) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिग, बहुवचन, 'चित्र'– विशेष्य का विशेषण।

(5) <u>**उसने**</u> कहा कि वह कल गुजरात जाएगा। सही वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद–परिचय होगा

(क) सर्वनाम, प्रथमपुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक।

(ख) सर्वनाम, अन्यपुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक।

(ग) सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक।

(घ) सर्वनाम, मध्यमपुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक।

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) किरण तुम क्यों बिखरी हो आज।
रँगी हो तुम किसके अनुराग।।

इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) श्लेष

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण

(घ) अतिश्योक्ति

(2) रावण सर सरोज बनचारी।
चलि रघुवीर सिलीमुख।।

इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) श्लेष

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण

(घ) अतिश्योक्ति

(3) सोहत ओढ़े पीत पर, स्याम सलोने गात।
मनहु नील मनि सैण पर, आतप परयौ प्रभात।।

इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) श्लेष

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण

(घ) अतिश्योक्ति

(4) बिधि निधि दीन्ह लेत जनु छीने।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(क) श्लेष

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण

(घ) अतिश्योक्ति

(5) बाँधा था विधु को किसने इन काली जंजीरों में, मणिवाले फणियों का मुख क्यों भरा हुआ है हीरों से।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(क) श्लेष

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण

(घ) अतिश्योक्ति

7. **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी–लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित–अनुचित फरमाइश और जिद को अपना फर्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने जिंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं ... केवल दिया ही दिया। हम भाई–बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता। खैर, जो भी हो, अब यह पैतृक–पुराण यहीं समाप्त कर अपने पर लौटती हूँ।

(1) गद्यांश के अनुसार माँ के स्वभाव की विशेषता थी–
  (क) धरती से भी अधिक धैर्यवान एवं सहनशील
  (ख) पति तथा बच्चों की सेवा में समर्पित
  (ग) स्वयं के विषय में न सोचने वाली
  (घ) ये सभी

(2) माँ सहज भाव से क्या स्वीकार करती थी?
  (क) पिताजी की ज्यादती
  (ख) अपने बच्चों की उचित–अनुचित माँग
  (ग) सबकी आज्ञा का पालन
  (घ) ये सभी

(3) माँ का त्याग लेखिका के लिए आदर्श क्यों नहीं बन पाया?
  (क) उनकी सहनशीलता व त्याग परिस्थितियों व मजबूरी से उपजे थे
  (ख) लेखिका को माँ की आदतें पसंद नहीं थी
  (ग) माँ के प्रति परिवार संवेदनशील नहीं था
  (घ) उनका त्याग मानवता के कल्याण के लिए नहीं था

(4) लेखिका की माँ ने अपने पति से जिंदगी भर कुछ भी क्यों नहीं माँगा?
  (क) वह बहुत धैर्यवान थी
  (ख) जो मिल जाए उसे वह अपना प्राप्य समझती थी
  (ग) लेने की कभी कामना नहीं करती थी
  (घ) ये सभी

(5) प्रस्तुत गद्यांश में लेखिका किसके बारे में बात कर रही है?
  (क) अपनी माँ के विषय में
  (ख) अपने परिवार के व्यवहार के बारे में
  (ग) (क) और (ख) दोनों
  (घ) अपने पड़ोस के विषय में

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 2 = 2)$

(1) अंतिम बार हालदार साहब ने नेताजी की मूर्ति पर कौन–सा चश्मा देखा था?
  (क) सोने का चश्मा
  (ख) लोहे का चश्मा
  (ग) प्लास्टिक का चश्मा
  (घ) सरकंडे का बना चश्मा

(2) कातिक मास आने पर बालगोबिन भगत क्या करने लगते थे?
   (क) प्रभातफेरी शुरू करने लगते
   (ख) गंगा–स्नान करने लगते
   (ग) भजन करने लगते
   (घ) सत्संग करने लगते

9. **निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

बादल, गरजो!
घेर–घेर घोर गगन, धाराधर ओ!
ललित–ललित, कालं घुँघराले,
बाल कल्पना, के–से पाले,
विद्युत–छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले!
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो–
बादल, गरजो

(1) 'वज्र छिपा' का तात्पर्य है–
   (क) बालों के अंदर ही जल प्रलय छिपा है।
   (ख) बादलों के अन्दर ही चन्द्रमा की चाँदनी छिपी है।
   (ग) बादलों के अन्दर ही बिजली की कड़क छिपी हुई है।
   (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

(2) कवि ने बादलों को किस–किस नाम से पुकारा है?
   (क) बाल–कल्पना के से पाले।
   (ख) नवजीवन वाले, धाराधार।
   (ग) ललित–ललित काले घुँघराले।
   (घ) ये सभी।

(3) बादल का 'प्रतीकात्मक' रूप क्या है?
   (क) पौरुष और वीरता भाव का।
   (ख) उत्साह और शौर्य भाव का।
   (ग) क्रान्ति और पौरुष भाव का।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।

(4) 'धराधर' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?
   (क) वर्षा के लिए।
   (ख) बिजली के लिए।
   (ग) बादल के लिए।
   (घ) नाद के लिए।

(5) कवि बादलों का आह्वान क्यों कर रहा है?
   (क) बादल पीड़ित तथा प्यासे जन की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले हैं।
   (ख) बादल नई कल्पना और क्रान्ति की चेतना को संभव करने वाला भी है।
   (ग) बादल नवजीवन प्रदान करने वाले हैं।
   (घ) उपर्युक्त सभी।

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– **$(1 \times 2 = 2)$**

(1) आत्मकथ्य कविता में कवि अपने जीवन की सुखद स्मृति को किस रूप में देखता है?
(क) पाथेय अर्थात् जीवन का एक सहारा
(ख) दुःखी कर देने वाले पल के रूप में
(ग) अपनी पत्नी के रूप में
(घ) अपनी प्रेयसी के रूप में

(2) संदली मिट्टी से कवि का क्या आशय है?
(क) चंदन वर्णी सुगंधित मिट्टी
(ख) चूल्हा लीपने के काम आने वाली मिट्टी
(ग) नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी
(घ) पहाड़ों से कटकर आने वाली मिट्टी

खंड – ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– **$(2 \times 3 = 6)$**

(क) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने खीरा खाने से मना क्यों किया ?

(ख) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया?

(ग) 'मनुष्य की जो योग्यता उसे आत्मविश्वास के साधनों का आविष्कार कराती है हम उसे संस्कृति कहें या असंस्कृति? इस कथन पर अपने विचार स्पष्ट करें।

(घ) कार्तिक महीना और बालगोबिन भगत दोनों एक–दूसरे से किस प्रकार संबंधित हैं?

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– **$(2 \times 3 = 6)$**

(क) मरजादा न लही 'के माध्यम से कौन–सी मर्यादा न रहने की बात कही जा रही हैं?

(ख) 'बीरब्रती तुम्ह और अछोबा। गारी देत न पाबहु शोभा'।। पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) मुख्य गायक और संगतकार की परंपरा के औचित्य पर विचार प्रकट कीजिए।

(घ) 'आत्मकथ्य' कविता में 'स्मृति को पाथेय' बनाने में कवि का आशय क्या हैं?

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए– **$4 \times 2 = 8$**

(क) लेखक को किस घटना से अणु बम द्वारा व्यर्थ जीव नाश का अनुभव हुआ था? उस घटना के विषय में अपने विचार लिखिए।

(ख) देश के प्राकृतिक स्थानों के सौंदर्य का आनंद लेते समय अधिकांश सैलानी वहाँ के पर्यावरण को दूषित कर देते हैं। इस नैसर्गिक सौंदर्य की सुरक्षा में आप अपने दायित्व का निर्वाह कैसे करेंगे? 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आलोक में उत्तर दीजिए।

(ग) 'माता का अँचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए– (6)

(क) **कमरतोड़ महँगाई**

संकेत बिन्दु :

- बढ़ती महँगाई
- कारण
- मुक्ति के उपाय।

(ख) **महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा**

संकेत बिन्दु :

- महानगरों की समस्या और सुरक्षा की स्थिति
- महिलाओं की असुरक्षा
- कारण, प्रभाव और समाधान।

(ग) **मित्र की परख संकट में**

संकेत बिन्दु :

- मित्रता का महत्व
- अच्छे मित्र बुरे मित्र की पहचान
- मित्रता सौभाग्य से।

15. कोविड के समय आपके दादा–दादी की देखभाल करने वाली नर्स के सद्व्यवहार की प्रशंसा करते हुए अस्पताल प्रशासन को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। (5)

अथवा

राष्ट्रपति द्वारा 'वीर बालक पुरस्कार' से सम्मानित अपने छोटे भाई को लगभग 100 शब्दों में एक बधाई पत्र लिखिए।

16. आपका नाम गोविन्द वर्मा है। आपने अर्थशास्त्र विषय में अधिस्नातक (पोस्ट ग्रेजुएट), की डिग्री प्राप्त की है तथा राजस्थान सरकार में सांख्यिकी अधिकारी के पद पर नियुक्ति पाने हेतु लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। (5)

अथवा

अपने क्षेत्र में एक पार्क विकसित करने के लिए सभी कॉलोनीवासियों की ओर से नगर निगम अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में एक ईमेल एक ईमेल लिखिए।

17. विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार हेतु लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए। (4)

अथवा

दूर देश में बैठे अपने मित्र को कोरोना महामारी में अपनी कुशलता का लगभग 60 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

□□□□□□□

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 3 (सॉल्वड)

कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

हिन्दी–अ (कोड–002)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'क' और 'ख'। खंड–क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड–ख में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं। जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड – क (वस्तुपरक प्रश्न / बहुविकल्पी)

1. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

उन्नीसवीं शताब्दी से पहले, मानव और पशु दोनों की आबादी भोजन की उपलब्धता तथा प्राकृतिक विपदाओं आदि के कारण सीमित रहती थी। कालांतर में जब औद्योगिक क्रांति के कारण मानव सभ्यता की समृद्धि में भारी वृद्धि हुई तब उसके परिणामस्वरूप कई पश्चिमी देश ऐसी बाधाओं से लगभग अनिवार्य रूप से मुक्त हो गए। इससे वैज्ञानिकों ने अंदाज़ा लगाया कि अब मानव जनसंख्या विस्फोटक रूप से बढ़ सकती है। परन्तु इन देशों में परिवारों का औसत आकार घटने लगा था और जल्दी ही समृद्धि और प्रजनन के बीच एक उलटा संबंध प्रकाश में आ गया था।

जीवविज्ञानियों ने मानव समाज की तुलना जानवरों की दुनिया से कर इस संबंध को समझाने की कोशिश की और कहा कि ऐसे जानवर जिनके अधिक बच्चे होते हैं, वे अधिकतर प्रतिकूल वातावरण में रहते हैं और ये वातावरण प्रायः उनके लिये प्राकृतिक खतरों से भरे रहते हैं। चूंकि इनकी संतानों के जीवित रहने की संभावना कम होती है, इसलिए कई संतानें पैदा करने से यह संभावना बढ़ जाती है कि उनमें से कम से कम एक या दो जीवित रहेंगी। इसके विपरीत, जिन जानवरों के बच्चे कम होते हैं, वे स्थिर और अनुकूल वातावरण में रहते हैं। ठीक इसी प्रकार यदि समृद्ध वातावरण में रहने वाले लोग केवल कुछ ही बच्चे पैदा करते हैं, तो उनके ये कम बच्चे उन बच्चों को पछाड़ देंगे जिनके परिवार इतने समृद्ध नहीं थे तथा इनकी आपस की प्रतिस्पर्धा भी कम होगी।

इस सिद्धांत के आलोचकों का तर्क है कि पशु और मानव व्यवहार की तुलना नहीं की जा सकती है। वे इसके बजाए यह तर्क देते हैं कि सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन इस घटना को समझाने के लिए पर्याप्त हैं। श्रम–आश्रित परिवारों में बच्चों की बड़ी संख्या एक वरदान के समान होती है। वे जल्दी काम कर परिवार की आय बढ़ाते हैं। जैसे–जैसे समाज समृद्ध होता जाता है, वैसे–वैसे बच्चे जीवन के लगभग पहले 25.–30 सालों तक शिक्षा ग्रहण करते हैं। जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उर्वरता अधिक होती है तथा देर से विवाह के कारण संतानों की संख्या कम हो जाने की संभावना बनी रहती है।

(1) निम्नलिखित में से कौन–सा गद्यांश का प्राथमिक उद्देश्य है?
   (क) मानव परिवारों के आकार के संबंध में दिए उस स्पष्टीकरण की आलोचना जो पूरी तरह से जानवरों की दुनिया से ली गई टिप्पणियों पर आधारित है।
   (ख) औद्योगिक क्रांति के बाद अपेक्षित जनसंख्या विस्फोट न होने के कारणों की विवेचना।

(ग) औद्योगिक क्रांति से पहले और बाद में पर्यावरणीय प्रतिबंधो और सामाजिक दृष्टिकोणों से परिवार का आकार कैसे प्रभावित हुआ, का अन्तर्सम्बन्ध दर्शाना।

(घ) परिवार का आकार बढ़ी हुई समृद्धि के साथ घटता है इस तथ्य को समझने के लिये दो वैकल्पिक सिद्धांत प्रस्तुत करना।

उत्तर : (घ) परिवार का आकार बढ़ी हुई समृद्धि के साथ घटता है इस तथ्य को समझने के लिये दो वैकल्पिक सिद्धांत प्रस्तुत करना।

(2) गद्यांश के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन–सा जनसंख्या विस्फोट के विषय में सत्य है?

(क) पश्चिमी देशों में यह इसलिये नहीं हुआ क्योंकि औद्योगिकरण से प्राप्त समृद्धि ने परिवारों को बच्चों की शिक्षा की विस्तारित अवधि को वहन करने का सामर्थ्य प्रदान किया था।

(ख) यह घटना विश्व के उन क्षेत्रों तक सीमित है, जहाँ औद्योगिक क्रांति नहीं हुई है।

(ग) श्रम आधारित अर्थव्यवस्था में केवल उद्योग के आधार पर ही परिवार का आकार निर्भर रहता है।

(घ) इसकी भविष्यवाणी पश्चिमी देशों में औद्योगिक क्रांति के समय जीवित कुछ लोगों द्वारा की गई थी।

उत्तर : (घ) इसकी भविष्यवाणी पश्चिमी देशों में औद्योगिक क्रांति के समय जीवित कुछ लोगों द्वारा की गई थी।

(3) अंतिम अनुच्छेद निम्नलिखित में से कौन–सा कार्य करता है?

(क) यह पहले अनुच्छेद में वर्णित घटना के लिए एक वैकल्पिक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है।

(ख) यह दूसरे अनुच्छेद में प्रस्तुत स्पष्टीकरण की आलोचना करता है।

(ग) यह वर्णन करता है कि समाज के समृद्ध होने के साथ सामाजिक दृष्टिकोण कैसे बदलते हैं।

(घ) यह दूसरे अनुच्छेद में प्रस्तुत घटना की व्याख्या करता है।

उत्तर : (क) यह पहले अनुच्छेद में वर्णित घटना के लिए एक वैकल्पिक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है।

(4) गद्यांश में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख औद्योगिक देशों में औसत परिवार का आकार हाल ही में गिरने के एक संभावित कारण के रूप में नहीं किया गया है?

(क) शिक्षा की विस्तारित अवधि।

(ख) पहले की अपेक्षा देरी से विवाह करना।

(ग) बदला हुआ सामाजिक दृष्टिकोण।

(घ) औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में मजदूरों की बढ़ती मांग।

उत्तर : (घ) औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में मजदूरों की बढ़ती मांग।

(5) गद्यांश में दी गई कौन–सी जानकारी बताती है कि निम्नलिखित में से किस जानवर के कई बच्चे होने की संभावना है?

(क) एक विशाल शाकाहारी जो घास के मैदानों में रहता है और अपनी संतानों की भरसक सुरक्षा करता है।

(ख) एक सर्वभक्षी जिसकी आबादी कई छोटे द्वीपों तक सीमित है और जिसे मानव अतिक्रमण से खतरा है।

(ग) एक मांसाहारी जिसका कोई प्राकृतिक शिकारी नहीं है, लेकिन उसे भोजन की आपुर्ति बनाए रखने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

(घ) एक ऐसा जीव जो मैदानों और झीलों में कई प्राणियों का शिकार बनता है।

उत्तर : (घ) एक ऐसा जीव जो मैदानों और झीलों में कई प्राणियों का शिकार बनता है।

2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी <u>एक</u> पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– $(1 \times 5 = 5)$

हे कृष्ण! जरा यह भी सुनिए,
सच है कि झूठ मन में गुनिए,
धूलों में था मैं पड़ा हुआ,
किसका स्नेह पा बड़ा हुआ,
किसने मुझको सम्मान दिया?
नृपता दे महिमावान किया।
है ऋणी कर्ण का रोम–रोम,
जानते सत्य यह सूर्य–सोम,
तन, मन, धन दुर्योधन का है।
सुरपुर से भी मुख मोडूँगा,
केशव! मैं उसे न छोडूँगा।
मित्रता बड़ा अनमोल रतन,
कब इसे तौल सकता है धन?
धरती की तो है क्या बिसात?
आ जाए अगर बैकुंठ हाथ,
उसको भी न्यौछावर कर दूँ
कुरूपति के चरणों पर रख दूँ।

(1) कर्ण ने मित्रता की तुलना किससे की है?

(क) सुरपुर से (ख) तरु से

(ग) सूर्य–सोम से (घ) अनमोल रतन से

उत्तर : (घ) अनमोल रतन से

(2) कर्ण दुर्योधन का साथ क्यों नहीं छोड़ सकता?

(क) दुर्योधन ने उसे राजा बनाकर सम्मानित किया था

(ख) दुर्योधन एक बड़ा वीर था

(ग) दुर्योधन कृष्ण का दुश्मन था

(घ) कर्ण दुर्योधन का ऋणी था

उत्तर : (घ) कर्ण दुर्योधन का ऋणी था

(3) कविता के आधार पर कर्ण के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ चुनिए–

(क) सच्चा वीर (ख) कृतज्ञ

(ग) सच्चा मित्र (घ) धन का लालची

उत्तर : (ग) सच्चा मित्र

(4) कर्ण, दुर्योधन का ऋण किस प्रकार चुकाना चाहता है?

(क) तन, मन, धन न्यौछावर करके

(ख) जीवन देकर

(ग) बैकुंठ को भी न्यौछावर करके

(घ) युद्ध में उसे जिताकर

उत्तर : (ग) बैकुंठ को भी न्यौछावर करके

(5) 'मित्रता बड़ा अनमोल रतन।' इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?

(क) रूपक (ख) उपमा

(ग) उत्प्रेक्ष (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (घ) इनमें से कोई नहीं

अथवा

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष ही।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झरकर कुसुम।
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने–आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।

(1) कवि ने किसको सच माना है?

(क) संघर्ष को (ख) सब को

(ग) ईश्वर को (घ) मानव को

उत्तर : (क) संघर्ष को

(2) कवि के अनुसार जीत किसकी होती है?

(क) शक्तिशाली की

(ख) प्रणय को पाथेय वाले की

(ग) धनी व्यक्ति की

(घ) अभिमानी व्यक्ति की

उत्तर : (ख) प्रणय को पाथेय वाले की

(3) 'फूलों के साथ' चलने का तात्पर्य है–

(क) खुशबूदार चीजों का साथ

(ख) बगीचे में विचरण करना

(ग) जंगल के रास्ते पर

(घ) सुविधा भोगी जीवन

उत्तर : (घ) सुविधा भोगी जीवन

(4) नत व्यक्ति किस तरह मृत हो जाता है?

(क) जैसे वृक्ष से गिरकर फल

(ख) जैसे वृंत से झरकर कुसुम

(ग) जैसे छत से गिरकर मनुष्य

(घ) जैसे लक्ष्य से भटका मनुष्य

उत्तर : (ख) जैसे वृंत से झरकर कुसुम

(5) कवि किससे लड़ने की प्रेरणा दे रहे हैं?

(क) चुपचाप अपने आप से लड़ने की

(ख) सच से लड़ने की

(ग) लक्ष्य से लड़ने की

(घ) पराजय से लड़ने की

उत्तर : (क) चुपचाप अपने आप से लड़ने की

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) "मैं वहाँ पहुँचा और दरवाजा बन्द हो गया।" इसका मिश्र वाक्य होगा–

(क) उसके वहाँ पहुँचने पर दरवाजा बन्द हो गया।

(ख) ज्यों ही मैं वहाँ पहुँचा दरवाजा बन्द हो गया।

(ग) मेरे पहुँचते ही दरवाजा बन्द हो गया।

(घ) मैं पहुँचा कि दरवाजा बन्द हो गया।

उत्तर : (ख) ज्यों ही मैं वहाँ पहुँचा दरवाजा बन्द हो गया।

(2) "रमेश जाएगा परन्तु नरेश पढ़ेगा।" रचना की दृष्टि से यह वाक्य किस प्रकार का है?

(क) मिश्र वाक्य

(ख) प्रधान उपवाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) आश्रित उपवाक्य

उत्तर : (ग) संयुक्त वाक्य

(3) निम्नलिखित में से सरल वाक्य चुनकर लिखिए–

(क) माँ अखबार पढ़ चुकी है।

(ख) नीलम खाना खा चुकी है, अब निशा खाएगी।

(ग) जब तक दिनेश घर पहुँचा उसके मामाजी जा चुके थे।

(घ) आगरा में ताजमहल है, जो सफेद रंग का है।

उत्तर : (क) माँ अखबार पढ़ चुकी है।

(4) वह कहानी ऐसी–वैसी नहीं, बल्कि बहुत रोचक थी। इस वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए।

(क) वह कहानी ऐसी–वैसी नहीं थी, वह तो बहुत रोचक थी।

(ख) वह कहानी बहुत रोचक थी इसलिए वह ऐसी–वैसी नहीं थी।

(ग) वह कहानी ऐसी–वैसी न होकर बहुत रोचक थी।

(घ) वह कहानी ऐसी–वैसी नहीं है, क्योंकि वह बहुत रोचक थी।

उत्तर : (ग) वह कहानी ऐसी–वैसी न होकर बहुत रोचक थी।

(5) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कॉलम 1		कॉलम 2	
(1)	चुपचाप बैठो या यहाँ से चले जाओ।	(i)	सरल वाक्य
(2)	मुख्य अतिथि के आते ही कार्यक्रम शुरू हो गया।	(ii)	संयुक्त वाक्य
(3)	यदि इस बार वर्षा न हुई तो सारी फसल नष्ट हो जाएगी।	(iii)	मिश्र वाक्य

विकल्प

(क) 1-iii, 2-i, 3-ii

(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i

(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

उत्तर : (ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कॉलम 1		कॉलम 2	
(1)	पत्र भेज दिया गया है।	(i)	कर्तृवाच्य
(2)	राधा बाहर कूद रही है।	(ii)	कर्मवाच्य
(3)	भाई से चला नहीं जाता।	(iii)	भाववाच्य

विकल्प

(क) 1-iii, 2-i, 3-ii

(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i

(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

उत्तर : (ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(2) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला है–

(क) माँ द्वारा बच्चे को सुला दिया गया।

(ख) नौकरानी के द्वारा घर का सारा काम किया गया।

(ग) मैं यह कठिन काम नहीं कर सकूँगा।

(घ) लोगों से इस गरमी में चला नहीं जा सका।

उत्तर : (घ) लोगों से इस गरमी में चला नहीं जा सकता।

(3) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य है–

(क) श्याम से रोटी को बिल्कुल नहीं खाया जाता।

(ख) रामचन्द्र जी ने सलता को त्याग दिया।

(ग) हिन्दुओं द्वारा रामायण पढ़ी जाती है।

(घ) कुलियों ने यात्रियों का सामान उठाया।

उत्तर : (ग) हिन्दुओं द्वारा रामायण पढ़ी जाती है।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य है–

(क) बच्चों के द्वारा खिलौन पसन्द किये जाते हैं।

(ख) अब और नहीं चला जा सकता।

(ग) श्याम बहुत लड़ता है।

(घ) नेताओं ने अपना चरित्र खो दिया गया है।

उत्तर : (ख) अब और नहीं चला जा सकता।

(5) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य है–

(क) आयशा से कोई काम नहीं होता।

(ख) मैं थकान के कारण नहीं आ सका।

(ग) मुझसे इतनी गर्मी में दौड़ा नहीं जाता।

(घ) हम सबसे कल रात यही रुका जाएगा।

उत्तर : (क) आयशा से कोई काम नहीं होता।

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) समाज में **विभीषणों** की संख्या बढ़ती जा रही है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय होगा–

(क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

(ख) समूहवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

(ग) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

उत्तर : (क) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

(2) कल रात **देर तक** बारिश होती रही। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद–परिचय होगा–

(क) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

(ख) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

(घ) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

उत्तर : (ख) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

(3) विमला पत्र **लिख रही है**। इस वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद–परिचय होगा–

(क) प्रेरणार्थक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।

(ख) द्विकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।

(ग) सकर्मक क्रिया स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।

(घ) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।

उत्तर : (ग) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।

(4) इस किताब में **अनेक** चित्र हैं। इस वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद–परिचय होगा–

(क) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र'– विशेष्य का विशेषण।

(ख) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र'– विशेष्य का विशेषण

(ग) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र'– विशेष्य का विशेषण।

(घ) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र'– विशेष्य का विशेषण।

उत्तर : (घ) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग बहुवचन 'चित्र'– विशेष्य का विशेषण।

(5) **उसने** कहा कि वह कल गुजरात जाएगा। सही वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद–परिचय होगा

(क) सर्वनाम, प्रथमपुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(ख) सर्वनाम, अन्यपुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(ग) सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(घ) सर्वनाम, मध्यमपुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

उत्तर : (क) सर्वनाम, प्रथमपुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) किरण तुम क्यों बिखरी हो आज।
रँगी हो तुम किसके अनुराग।।

इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति

उत्तर : (ग) मानवीकरण

(2) रावण सर सरोज बनचारी।
चलि रघुवीर सिलीमुख।।

इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति

उत्तर : (क) श्लेष

(3) सोहत ओढ़े पीत पर, स्याम सलोने गात।
मनहु नील मनि सैण पर, आतप परयौ प्रभात।।

इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति

उत्तर : (ख) उत्प्रेक्षा

(4) बिधि निधि दीन्ह लेत जनु छीने।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति

उत्तर : (ख) उत्प्रेक्षा

(5) बाँधा था विधु को किसने इन काली जंजीरों में, मणिवाले फणियों का मुख क्यों भरा हुआ है हीरों से।
इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा
(ग) मानवीकरण (घ) अतिश्योक्ति
उत्तर : (घ) अतिश्योक्ति

7. **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी–लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित–अनुचित फरमाइश और जिद को अपना फर्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने जिंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं ... केवल दिया ही दिया। हम भाई–बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता। खैर, जो भी हो, अब यह पैतृक–पुराण यहीं समाप्त कर अपने पर लौटती हूँ।

(1) गद्यांश के अनुसार माँ के स्वभाव की विशेषता थी–
(क) धरती से भी अधिक धैर्यवान एवं सहनशील
(ख) पति तथा बच्चों की सेवा में समर्पित
(ग) स्वयं के विषय में न सोचने वाली
(घ) ये सभी
उत्तर : (घ) ये सभी

(2) माँ सहज भाव से क्या स्वीकार करती थी?
(क) पिताजी की ज्यादती
(ख) अपने बच्चों की उचित–अनुचित माँग
(ग) सबकी आज्ञा का पालन
(घ) ये सभी
उत्तर : (घ) ये सभी

(3) माँ का त्याग लेखिका के लिए आदर्श क्यों नहीं बन पाया?
(क) उनकी सहनशीलता व त्याग परिस्थितियों व मजबूरी से उपजे थे
(ख) लेखिका को माँ की आदतें पसंद नहीं थी
(ग) माँ के प्रति परिवार संवेदनशील नहीं था
(घ) उनका त्याग मानवता के कल्याण के लिए नहीं था
उत्तर : (क) उनकी सहनशीलता व त्याग परिस्थितियों व मजबूरी से उपजे थे

(4) लेखिका की माँ ने अपने पति से जिंदगी भर कुछ भी क्यों नहीं माँगा?
(क) वह बहुत धैर्यवान थी
(ख) जो मिल जाए उसे वह अपना प्राप्य समझती थी
(ग) लेने की कभी कामना नहीं करती थी
(घ) ये सभी
उत्तर : (घ) ये सभी

(5) प्रस्तुत गद्यांश में लेखिका किसके बारे में बात कर रही है?
(क) अपनी माँ के विषय में
(ख) अपने परिवार के व्यवहार के बारे में
(ग) (क) और (ख) दोनों
(घ) अपने पड़ोस के विषय में
उत्तर : (क) अपनी माँ के विषय में

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 2 = 2)$

(1) अंतिम बार हालदार साहब ने नेताजी की मूर्ति पर कौन–सा चश्मा देखा था?
(क) सोने का चश्मा
(ख) लोहे का चश्मा
(ग) प्लास्टिक का चश्मा
(घ) सरकंडे का बना चश्मा
उत्तर : (घ) सरकंडे का बना चश्मा

(2) कातिक मास आने पर बालगोबिन भगत क्या करने लगते थे?
(क) प्रभातफेरी शुरू करने लगते
(ख) गंगा–स्नान करने लगते
(ग) भजन करने लगते
(घ) सत्संग करने लगते
उत्तर : (क) प्रभातफेरी शुरू करने लगते

9. **निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

बादल, गरजो!
घेर–घेर घोर गगन, धाराधर ओ!
ललित–ललित, कालं घुँघराले,
बाल कल्पना, के–से पाले,
विद्युत–छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले!
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो–
बादल, गरजो

(1) 'वज्र छिपा' का तात्पर्य है–

(क) बालों के अंदर ही जल प्रलय छिपा है।

(ख) बादलों के अन्दर ही चन्द्रमा की चाँदनी छिपी है।

(ग) बादलों के अन्दर ही बिजली की कड़क छिपी हुई है।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर : (ग) बादलों के अन्दर ही बिजली की कड़क छिपी हुई है।

(2) कवि ने बादलों को किस–किस नाम से पुकारा है?

(क) बाल–कल्पना के से पाले।

(ख) नवजीवन वाले, धाराधार।

(ग) ललित–ललित काले घुँघराले।

(घ) ये सभी।

उत्तर : (घ) ये सभी।

(3) बादल का 'प्रतीकात्मक' रूप क्या है?

(क) पौरुष और वीरता भाव का।

(ख) उत्साह और शौर्य भाव का।

(ग) क्रान्ति और पौरुष भाव का।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर : (ग) क्रान्ति और पौरुष भाव का।

(4) 'धराधर' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) वर्षा के लिए।

(ख) बिजली के लिए।

(ग) बादल के लिए।

(घ) नाद के लिए।

उत्तर : (ग) बादल के लिए।

(5) कवि बादलों का आह्वान क्यों कर रहा है?

(क) बादल पीड़ित तथा प्यासे जन की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले हैं।

(ख) बादल नई कल्पना और क्रान्ति की चेतना को संभव करने वाला भी है।

(ग) बादल नवजीवन प्रदान करने वाले हैं।

(घ) उपर्युक्त सभी।

उत्तर : (घ) उपर्युक्त सभी

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– $(1 \times 2 = 2)$

(1) आत्मकथ्य कविता में कवि अपने जीवन की सुखद स्मृति को किस रूप में देखता है?

(क) पाथेय अर्थात् जीवन का एक सहारा

(ख) दुःखी कर देने वाले पल के रूप में

(ग) अपनी पत्नी के रूप में

(घ) अपनी प्रेयसी के रूप में

उत्तर : (क) पाथेय अर्थात् जीवन का एक सहारा

(2) संदली मिट्टी से कवि का क्या आशय है?

(क) चंदन वर्णी सुगंधित मिट्टी

(ख) चूल्हा लीपने के काम आने वाली मिट्टी

(ग) नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी

(घ) पहाड़ों से कटकर आने वाली मिट्टी

उत्तर : (क) चंदनवर्णी सुगंधित मिट्टी।

खंड – ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– $(2 \times 3 = 6)$

(क) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने खीरा खाने से मना क्यों किया ?

उत्तर :

लेखक कुछ समय पहले नवाब साहब द्वारा रखे गए खीरे खाने के आमंत्रण को ठुकरा चुके थे, अतः अब आत्मसम्मान निभाना आवश्यक समझने के कारण उन्होंने खीरा खाने से इंकार कर दिया।

(ख) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया?

उत्तर :

बिस्मिल्ला खाँ भारत के सर्वश्रेष्ठ शहनाई वादक हैं। उनसे बढ़कर सुरीला शहनाई वादक अभी तक दूसरा नहीं हुआ हैं शहनाई मंगल ध्वनि का वाद्य है। हर मांगलिक विधि–विधान की शुरूआत शहनाई से की जाती है। चूँकि बिस्मिल्ला खाँ सरीखा शहनाई वादक कोई और नहीं है इसीलिए उन्हें मंगलध्वनि का नायक कहा गया है।

(ग) 'मनुष्य की जो योग्यता उसे आत्मविश्वास के साधनों का आविष्कार कराती है हम उसे संस्कृति कहें या असंस्कृति? इस कथन पर अपने विचार स्पष्ट करें।

उत्तर :

जब कोई संस्कृत मनुष्य अपनी योग्यता का दुरूपयोग करके आत्मविश्वास के साधनों का आविष्कार करता है, उसे असंस्कृति कहते हैं। क्योंकि संस्कृति श्रेष्ठ, स्थायी और कल्याणकारी होती है और असंस्कृति वैश्विक विनाश का कारण होती है।

(घ) कार्तिक महीना और बालगोबिन भगत दोनों एक–दूसरे से किस प्रकार संबंधित हैं?

उत्तर :

कार्तिक महीना आते ही भगत की प्रभातियाँ शुरू हो जाती थीं। इससे कार्तिक महीने की सुबह मुखरित हो उठती थी। वे तड़के नदी स्नान को जाते और लौटते समय अपना मधुर गायन शुरू कर देते थे। इस प्रकार कार्तिक महीना और भगत एक–दूसरे से संबंधित हैं।

12. पद्य पाठें के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– $(2 \times 3 = 6)$

(क) मरजादा न लही 'के माध्यम से कौन–सी मर्यादा न रहने की बात कही जा रही हैं?

उत्तर :

कृष्ण ने गोपियों से प्रेम निभाने के बजाय उनके पास योग–संदेश भेज दिया, जो उन्हें नीरस लगा। यह सदेंश एक भ्रम और छलावा मात्र था। सूरदास जी कहते हैं कि कृष्ण ने यह करके प्रेम की मर्यादा को यानि मरजादा को भी नहीं रखा। उनका कर्त्तव्य यह था कि वे गोपियों के प्रेम की सच्ची भावना को समझते और प्रेम निभाते।

(ख) 'बीरब्रती तुम्ह और अछोबा। गारी देत न पाबहु शोभा'।। पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

भाव–आप वीरता का व्रत धारण करने वाले, धैर्यवान और क्षोभरहित हैं। आप गाली देते हुए शोभा नहीं देते। इन पंक्तियों में लक्ष्मण ने परशुराम जी पर गहरे कटाक्ष किए हैं। व्यंग्य का भाव यह है कि बड़े कायर, अधीर और महाक्रोधी हैं।

(ग) मुख्य गायक और संगतकार की परंपरा के औचित्य पर विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर :

मुख्य गायक और संगतकार की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। परस्पर सहयोग से कार्य सुगमतापूर्वक भली–भाँति पूरा हो जाता है के सिद्धान्त पर आधारित यह परंपरा उचित है। जब मुख्य गायक और संगतकार निःस्वार्थ भाव से एक दूसरे की मदद करते हैं तो यह परंपरा वरदान साबित होती है और टाँग खिंचाई करने पर यही अभिशाप बन जाती है।

(घ) 'आत्मकथ्य' कविता में 'स्मृति को पाथेय' बनाने में कवि का आशय क्या हैं?

उत्तर :

स्मृति को 'पाथेय' अर्थात् रास्ते का भोजन या सहारा बनाने से कवि का आशय यह है कि कवि अपने प्रेम की मधुर यादों के सहारे ही जीवन जी रहा है। अब कवि अपनी प्रिया की मधुर यादों के सहारे शेष जीवन व्यतीत करना चाहता है, ताकि वह उसे जीवन का सहारा बना सके। इसलिए कवि उन क्षणों को अपने जीवन का संबल कर रखना चाहता है।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए– $4 \times 2 = 8$

(क) लेखक को किस घटना से अणु बम द्वारा व्यर्थ जीव नाश का अनुभव हुआ था? उस घटना के विषय में अपने विचार लिखिए।

उत्तर :

लेखक ने युद्ध काल में भारत की पूर्वी सीमा पर देखा था कि सैनिक ब्रह्मपुत्र नदी में बम फेंककर हजारों मछलियाँ मार देते थे। अपने थोड़े से स्वार्थ के लिए यह कृत्य सरासर अनुचित था। लेखक को अणु बम द्वारा जापान के हिरोशिमा में हुए नरसंहार और इस घटना में काफी समानता का अनुभव हुआ। इस व्यर्थ जीव नाश और विज्ञान के दुरुपयोग के प्रति बौद्धिक विद्रोह स्वाभाविक है। निज स्वार्थ के वशीभूत होकर हजारों जीवों का व्यर्थ नाश करना मानव धर्म नहीं है। हमें प्राणी मात्र पर दया करनी चाहिए तथा 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर बल देना चाहिए।

(ख) देश के प्राकृतिक स्थानों के सौंदर्य का आनंद लेते समय अधिकांश सैलानी वहाँ के पर्यावरण को दूषित कर देते हैं। इस नैसर्गिक सौंदर्य की सुरक्षा में आप अपने दायित्व का निर्वाह कैसे करेंगे? 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आलोक में उत्तर दीजिए।

उत्तर :

देश के प्राकृतिक स्थानों के सौंदर्य का आनंद लेते समय अधिकांश सैलानी वहाँ के पर्यावरण को दूषित कर देते हैं। वे प्रकृति के साथ खिलवाड़ करते हैं। अपने साथ लाए हुए कृत्रिम व अप्राकृतिक सामान जैसे– प्लास्टिक थैलियाँ व बोतलें यहाँ–वहाँ छोड़ देते हैं। पेड़ों व पहाड़ों पर गोद–गोद कर अपने नाम व तिथियाँ लिख देते हैं। प्राकृतिक स्थान का व्यवसायीकरण करने के लिए अधिक मात्रा में वनों को काट कर टूरिस्ट स्थान व होटल आदि बना दिए जाते हैं, जिससे प्राकृतिक सौंदर्य मिटने लगता है। इस नैसर्गिक सौंदर्य को बनाए रखने के लिए हमें प्राकृतिक स्थलों से अधिक छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। अधिक–से–अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए। वृक्षों को काटने के खिलाफ़ चिपकों आंदोलन जैसे आंदोलनों को

बढ़ावा देना चाहिए। नदियों की पवित्रता बनाए रखनी चाहिए। नवयुवकों को प्रकृति और पर्यावरण को साफ़ व स्वच्छ रखने के लिए 'जागरूकता अभियान' चलाने चाहिए।

(ग) 'माता का अँचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

उत्तर :

शीर्षक की संक्षिप्तता और विषय वस्तु के साथ उसके संबंध की दृष्टि से 'माता का अँचल' एक सार्थक शीर्षक है। यह संक्षिप्त भी है और पाठ की विषय–वस्तु, माँ के आँचल के महत्व को रोचक तरीके से प्रस्तुत करता है। बच्चे माँ के अँचल में छिपकर अपने आपकों सुरक्षित महसूस करते हैं। भोलानाथ का अधिकांश समय पिता के साथ में बीतता था। भोलानाथ का माँ के साथ संबंध बहुत सीमित रहता था। अंत में साँप से डरा हुआ बालक भोलानाथ पिता को हुक्का गुड़गुड़ाते देखकर भी माता की ही शरण में जाता है और अद्भुत रक्षा और शांति का अनुभव करता है। वह इस स्थिति में अपने पिता को भी अनदेखा कर देता है। वह माँ के आँचल में दुबक कर राहत महसूस करता है। इस प्रकार 'माता का आँचल' शीर्षक पूर्णतया सार्थक है।

अन्य शीर्षक–

1. मेरा बचपन
2. बचपन के सुनहरे पल
3. माँ की ममता
4. बच्चों की दुनिया

14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए– (6)

(क) **कमरतोड़ महँगाई**

संकेत बिन्दु :

- बढ़ती महँगाई
- कारण
- मुक्ति के उपाय।

(ख) **महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा**

संकेत बिन्दु :

- महानगरों की समस्या और सुरक्षा की स्थिति
- महिलाओं की असुरक्षा
- कारण, प्रभाव और समाधान।

(ग) **मित्र की परख संकट में**

संकेत बिन्दु :

- मित्रता का महत्व
- अच्छे मित्र बुरे मित्र की पहचान
- मित्रता सौभाग्य से।

उत्तर :

(क) कमरतोड़ महँगाई

महँगाई मूल्यों में निरंतर वृद्धि, उत्पादन की कमी और माँग की पूर्ति में असमर्थता की परिचायक है। जीवनयापन के लिए अनिवार्य तत्वों रोटी, कपड़ा और मकान की बढ़ती महंगाई ने जनता को पीस कर रख दिया है। महंगाई बढ़ने के अनेक कारण हैं जिसमें जनसंख्या का बढ़ना, कृषि उत्पादनों में कमी, मुद्रा प्रसार एवं स्फीति, देश में बढ़ता भ्रष्टाचार एवं ढुलमुल प्रशासन, धन का असमान वितरण तथा घाटे की अर्थव्यवस्था समान रूप से उत्तरदायी है। जितनी तेजी से जनसंख्या वृद्धि हो रही है उतनी तेजी से वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो पाती। इसलिए व्यापारी लोग वस्तुओं की जमाखोरी करके अधिक दाम में बेचते हैं। सरकारी तंत्र भी इसे रोकने के बजाए बढ़ाने में ही मददगार हैं। महंगाई सरकार की आर्थिक नीतियों की विफलता ही कही जा सकती है। इसके लिए सरकार को कड़ा कानून बनाकर दुकानदार को बेची जाने वाली प्रत्येक वस्तु का मूल्य तथा उसकी कितनी मात्रा उसके पास उपलब्ध है, उसे लिखकर टाँगना अनिवार्य करना चाहिए। जनसंख्या पर रोक लगाकर इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाने की आवश्यकता है जो महँगाई पर अंकुश लगा सके।

(ख) महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

महानगरों में केवल जनसंख्या ही अधिक नहीं होती, समस्याएँ भी अधिक होती हैं। जैसे रहने की समस्या, वाहनों की समस्या, प्रदूषण की समस्या, लूटपाट, छीना–झपटी, अपहरण की समस्या और आज के समय में महिलाओं की सुरक्षा की समस्या। आए दिन महिलाओं से छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार, बलात्कार व हत्याओं के मामले सामने आ रहे हैं। क्यों नहीं हमारी पुलिस इस ओर ठोस कदम उठाती? क्यों अपराधियों को सजा नहीं दी जाती? क्यों एक लम्बी कोर्ट कार्यवाही के बाद सबूतों के अभाव का हवाला देकर उन्हें छोड़ दिया जाता है? क्या महिलाओं की सुरक्षा हम सबका उत्तरदायित्व नहीं है? इसके लिए जागरूक होकर पहल करनी होगी, पुलिस विभाग और कानून व्यवस्था को कड़े नियम अपनाने होंगे तथा महिलाओ को आत्मविश्वास व दृढ़ता से जागरूक होकर पहल करनी होगी, निर्भय होकर अपराधियों का सामना करना होगा।

(ग) मित्र की परख संकट में

मित्रता बड़ा अनमोल रत्न है। हम सभी मनुष्य को अपना सुख–दुख बाँटने और मन की बात करने के लिए मित्र की आवश्यकता होती है। यह एक औषधि के समान हमारे समस्त कष्टों को दूर करने का प्रयत्न करता

है। सच्चा मित्र भी वही है जो सभी मुसीबतों में हमारा साथ दें। पंचतंत्र में कहा भी गया है– जो व्यक्ति न्यायालय, श्मशान और विपत्ति के समय साथ देता है उसको सदा सच्चा मित्र समझना चाहिए। मित्रता समानता के आधार पर होनी चाहिए। दोनों के आर्थिक स्तर में ज्यादा परिवर्तन नहीं होना चाहिए। वह सच्चरित्र और विनम्र तो हो ही विश्वासपात्र भी होना आवश्यक है। सच्चे मित्र की पहचान यही है कि वो हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। निराशा में हिम्मत तथा अच्छे कार्यों में सहयोग दे, अपना स्वार्थ नहीं मित्र की भलाई पर ध्यान दे। ऐसा सच्चा मित्र जो हमारे सुख और सौभाग्य की चिंता करे सौभाग्य की बात है। सच्चा और अच्छा मित्र हमारे जीवन की सफलता की कुँजी है। कहा भी गया है कि 'सच्चा प्रेम दुर्लभ है, सच्ची मित्रता उससे भी दुर्लभ।'

15. **कोविड के समय आपके दादा–दादी की देखभाल करने वाली नर्स के सद्‌व्यवहार की प्रशंसा करते हुए अस्पताल प्रशासन को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।** (5)

उत्तर :

सेवा में,

अधीक्षक,

महात्मा गाँधी अस्पताल,

दिल्ली

दिनांक : 18 अप्रेल, 20xx

विषय : नर्स के सद्‌व्यवहार की प्रशंसा हेतु।

महोदय,

मैं कोविड के समय मेरे दादा–दादी की देखभाल करने वाली आपके प्रसिद्ध अस्पताल की एक नर्स सुनीता जी के सदव्यवहार की प्रशंसा हेतु यह पत्र लिख रहा हूँ।

महोदय जैसा कि आप जानते हैं कि कोरोना महामारी का कहर चारों तरफ फैला हुआ है ऐसे मैं मेरे दादा–दादी को भी इस बीमारी ने दबोच लिया था। उन्हें आपके अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस बीमारी के कारण वे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से परेशान थे। इस दौरान मैंने देखा कि सुनीता जी पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन कर रही थी। उन पर काम का अतिरिक्त बोझ होने के बावजूद भी वे हर संभव अपने व्यवहार को संतुलित और संयमित रख रही थी।

उन्होंने न केवल अपने काम को पूरी निष्ठा से किया बल्कि मेरे दादा–दादी का मानसिक संबल भी बढ़ाया जो कि काबले तारीफ़ है। डॉक्टर्स और सुनीता जी द्वारा की गई देखभाल का ही परिणाम है कि आज मेरे दादा–दादी पूरी तरह ठीक होकर घर पर सामान्य जीवन जी रहे हैं। अतः मैं अस्पताल प्रशासन और विशेष रूप से सुनीता जी का धन्यवाद करना चाहता हूँ और अस्पताल प्रशासन से प्रार्थना करता हूँ कि उन्हें इन विपरीत परिस्थितियों में की गई सेवा के लिए सम्मानित किया जाए, क्योंकि जहाँ इस समय हर जगह भय और संकट व्याप्त है, ऐसे में इस प्रकार के कार्य लोगों में उम्मीद की किरण जगाते हैं।

धन्यवाद!

भवदीय

अनुज शर्मा

34, निराला चौक

वरली

अथवा

राष्ट्रपति द्वारा 'वीर बालक पुरस्कार' से सम्मानित अपने छोटे भाई को लगभग 100 शब्दों में एक बधाई पत्र लिखिए।

उत्तर :

शैफाली शर्मा

4/120, नया बाजार,

रोहतक, हरियाणा

दिनांक : 22 नवंबर, 20xx

प्रिय आशीष,

शुभाशीर्वाद!

आज के समाचार–पत्र में तुम्हारा चित्र देखकर तथा यह पढ़कर हृदय असीम प्रसन्नता से भर गया कि तुम्हें राष्ट्रपति द्वारा 'वीर बालक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। मैं तुम्हें इस पुरस्कार प्राप्ति के लिए हार्दिक बधाई देती हूँ।

तुमने यह पुरस्कार प्राप्त कर हमारे परिवार के गौरव को बढ़ाया है। हम सबका मस्तिष्क ऊँचा उठाया है। तुमने जिस बहादुरी से नन्हें–नन्हें बच्चों की जान बचाई थी, वह घटना निश्चय ही अदम्य वीरता व साहस का परिचायक है। मैं आशा करती हूँ कि ईश्वर तुम्हें हर कार्य में सफलता दे। पुनः एक बार बधाई व शुभाशीष। घर पर सभी को यथायोग्य कहना।

तुम्हारी बहन

शैफाली

16. **आपका नाम गोविन्द वर्मा है। आपने अर्थशास्त्र विषय में अधिस्नातक (पोस्ट ग्रेजुएट), की डिग्री प्राप्त की है तथा राजस्थान सरकार में सांख्यिकी अधिकारी के पद पर नियुक्ति पाने हेतु लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।** (5)

उत्तर :

स्ववृत्त

नाम	:	गोविन्द वर्मा
पिता का नाम	:	श्री राजेन्द्र वर्मा
माता का नाम	:	श्रीमती ललिता वर्मा
जन्म तिथि	:	15 जुलाई, 1996
वर्तमान पता	:	सी–45, अजमेर रोड, सिविल लाईंस, जयपुर।
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
टेलीफोन नंबर	:	011658xxxx
मोबाइल नंबर	:	7602XXXXXX
ई–मेल	:	govindh99@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ

क्र. सं.	परीक्षा / डिग्री / डिप्लोमा	वर्ष	विद्यालय / बोर्ड / महाविद्यालय / विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्रतिशत
1.	दसवीं	2013	सी.बी.एस.ई	अंग्रेजी, हिंदी, गणित, सामाजिक ज्ञान, विज्ञान	प्रथम	92%
2.	बारहवीं	2015	सी.बी.एस.ई	अर्थशास्त्र, कंप्यूटर, इतिहास, गणित, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	प्रथम	89%
3.	बी.ए.	2018	राजस्थान कॉलेज, जयपुर	कंप्यूटर, इतिहास, अर्थशास्त्र	प्रथम	87%
4.	एम.ए.	2020	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	अर्थशास्त्र	प्रथम	88%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- कंप्यूटर का विशेष ज्ञान और अभ्यास (एम.एस. ऑफिस, एक्सेल, इंटरनेट)
- अंग्रेजी भाषा का ज्ञान

उपलब्धियाँ

- सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार (2013)।
- सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार (2015)।

कार्येत्तर गतिविधियाँ और अभिरुचियाँ

- राज्य सरकार के सांख्यिकी विभाग में तीन माह की जनगणना के आँकड़ों को एकत्र करने तथा उनका विश्लेषण करने से संबंधित प्रोजेक्ट किया।
- सामान्य ज्ञान से संबंधित पत्रिकाओं का नियमित पाठन।

संदर्भित व्यक्तियों का विवरण

- श्री दुर्गेश माथुर, प्रिंसिपल, केन्द्रीय विद्यालय सिविल लाईन्स, जयपुर।
- श्री विकास यादव, प्रोफेसर, राजस्थान कॉलेज, जयपुर।

दिनांक : 18.11.20xx गोविन्द शर्मा

स्थान : जयपुर हस्ताक्षर

अथवा

अपने क्षेत्र में एक पार्क विकसित करने के लिए सभी कॉलोनीवासियों की ओर से नगर निगम अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में एक ईमेल एक ईमेल लिखिए।

उत्तर :

From	abc...@gmail.com
To	nagarnigamjaipur@.com
Subject	क्षेत्र में पार्क विकसित करने हेतु

निगम उद्यान अधिकारी,
महोदय मैं जयपुर जिले की परमहंस कॉलोनी का निवासी हूँ। हमारी कॉलोनी के आसपास नगर निगम का कोई उद्यान (पार्क) नहीं है। पार्क न होने के कारण इस क्षेत्र के नागरिक स्वस्थ जीवन नहीं जी पा रहे हैं क्योंकि पार्क की वजह से ही वायु शुद्ध मिलती है और सुबह टहलने के लिए स्थान मिलता है। पार्क न होने के कारण बच्चे खेल नहीं पाते हैं। स्वस्थ जीवन के लिए पेड़–पौधे और पार्कों का बड़ा महत्व होता है। इसलिए हम सभी प्रबुद्ध नागरिक आपसे अनुरोध करते हैं कि इस क्षेत्र में हरा भरा एक पार्क विकसित करने की कृपा करें। पार्क के लिए खाली पड़ी सरकारी जमीन का उपयोग किया जा सकता है।
अतः आपसे निवेदन है कि पार्क विकसित कराने की उचित कार्यवाही के निर्देश जारी करें।
इसके लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।
धन्यवाद!
भवदीय
अ.ब.स.

17. विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार हेतु लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए। (4)

उत्तर :

एम. जी. पब्लिक स्कूल
वार्षिकोत्सव

दिनांक 4 जनवरी, 20xx

यहाँ विद्यार्थियों द्वारा निर्मित विशिष्ट हस्तशिल्प सामग्रियाँ सस्ते दामों में उपलब्ध होगी तथा छात्र–छात्राएँ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

विशेष आकर्षण

घर की सजावट का सामान, मोमबत्तियाँ, मिट्टी के बर्तन, वस्त्र, जूट बैग, लकड़ी के झूले, लकड़ी के खिलौने।

इन्हें खरीद कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन करें तथा उनकी कलात्मक अभिरूचि को बढ़ाएँ।

कार्यक्रम का स्थान : विद्यालय सभागार

समय : दोपहर 12 बजे से सायं 5 बजे तक

अथवा

दूर देश में बैठे अपने मित्र को कोरोना महामारी में अपनी कुशलता का लगभग 60 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

उत्तर :

संदेश

15 मई, 20xx — प्रातः 11:10 बजे

प्रिय मित्र

महामारी के इस विपत्ति काल में मैं अपने एवं अपने परिवार की कुशलता का संदेश तुम तक भेजकर तुम्हारी कुशलता जानने का इच्छुक हूँ। मैं परिवार सहित सकुशल हूँ एवं सरकार द्वारा सुझाए गए सभी उपायों एवं बचाव के तरीकों को अपना रहा हूँ। मैं घर से बाहर जाते समय मास्क लगाना नहीं भूलता और लोगों से बात करते समय उचित दूरी बनाकर रखता हूँ। नियममित अंतराल पर अपने हाथ साबुन से धोता हूँ। तुम भी अपना और अपने परिवार का ध्यान रखो। मैं तुम्हारी कुशलता की कामना करता हूँ।

नमन